U.G. 3rd Semester Examination - 2020

HINDI

[PROGRAMME]

Course Code : HINP-CC-T-3

Full Marks : 60 Time : $2\frac{1}{2}$ Hours

The figures in the right-hand margin indicate marks.

Candidates are required to give their answers in their own words as far as practicable.

1. निम्नलिखित में से किन्हीं **दस** प्रश्नों के उत्तर दीजिए : $2\times10=20$

i) किस आलोचक ने किस भक्त कवि को 'वाणी का डिक्टेटर' कहा है?

ii) 'ब्रजभाषा का वाल्मीकि' किसे कहा जाता है? उनकी किसी एक रचना का नाम लिखिए।

iii) पुष्टिमार्गीय भक्ति का दार्शनिक आधार क्या है? उसके संस्थापक आचार्य कौन हैं?

iv) 'अष्टछाप' की स्थापना किसने की थी? सूरदास के गुरु कौन थे?

v) गौतम बुद्ध के बाद उत्तर भारत का सबसे बड़ा लोकनायक किस कवि को किस आलोचक ने माना है?

vi) कबीर की भक्ति का दार्शनिक आधार क्या है? उनके दोहे 'बीजक' के किस भाग में संकलित हैं?

vii) किस कवि को 'पियूषवर्षी मेघ' की उपाधि प्राप्त है? उनको यह उपाधि किसने प्रदान की थी?

viii) मीराँबाई के गुरु कौन थे? मीराँ की एक रचना का नाम लिखिए।

ix) 'कृष्णगीतावली' और 'साहित्य लहरी' के रचनाकार कौन हैं?

x) 'बिहारी सतसई' का काव्य-रूप क्या है? बिहारी ने किसके आदेश से अपने सतसई की रचना की थी?

xi) तुलसी ने अपनी एकनिष्ठ भक्ति का प्रतीक किसे माना है? उनके द्वारा रचित एक महाकाव्य का नाम लिखिए।

xii) किस कवि को 'ना हिन्दू ना मुसलमान' कवि कहा जाता है? उनके गुरु का नाम लिखिए।

xiii) सगुनहिं अगुनहिं नहीं कछु भेदा' किसकी उक्ति है? उनकी भक्ति का दार्शनिक मत किस नाम से जाना जाता है?

xiv) 'भक्ति आन्दोलन और सूरदास का काव्य' तथा 'कबीर' के रचनाकारों का नाम लिखिए।

xv) श्यामसुंदर दास संपादित 'कबीर ग्रंथावली' के संपादन में किस संस्था की महत्वपूर्ण भूमिका रही है?

2. निम्नलिखित में से किन्हीं **चार** की सप्रसंग व्याख्या कीजिए: 5×4=20

i) सतगुरु की महिमा अनंत, अनंत किया उपगार।
लोचन अनंत उघाड़िया, अनंत दिखावणहार।।

ii) खेलत में को काको गुसैयाँ।
हरि हारे, जीते श्रीदामा, बरबसहीं कत करत रिसैयाँ।
जाति पांति हमते बड़ नाहीं, नाही बसत तुम्हारी छैयां।
अति अधिकार जनावत यातें, जातें अधिक तुम्हारी गैयाँ।
रूहठि करे तासों को खेले, रहे बैठि जहँ-तहँ सब ग्वैयाँ।।

iii) मुखिया मुख सो चाहिये, खान-पान महुं एक।
पालहिं पोषहिं सकल अंग, तुलसी सहित बिबेक।।

iv) मैं तो साँवरे के रंग राँची।
साजि सिंगार बांध पग घुंघरू, लोक लाज तजि नांची।।
गई कुमति लई साधू की संगति, भगत रूप यह साँची।

v) समै समै सुन्दर सबै, रूपु कुरूपू न कोइ।
मन की रूचि जेती जितैं, तित तेती रूचि होइ।।

vi) मन पछितै है अवसर बीते।
दुर्लभ देह पाइ हरिपद भजु करम वचन अरु ही ते।।
सहसबाहु, दसबदन आदि नृप बचे न काल बली ते।
हम हम करि धन धाम सँवारे, अन्त चले उठि रीते।।

3. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर दीजिए: 10×2=20

i) कबीर की काव्यगत विशेषताओं को सोदाहरण रेखांकित कीजिए।

ii) बिहारी की काव्य-कला पर सोदाहरण प्रकाश डालिए।

iii) मीराँ की भक्ति के स्वरूप पर विचार कीजिए।

iv) सूरदास के साहित्य में निहित लोक भावना एवं आध्यात्मिक चिंतन का विवेचन कीजिए।